

ॐ

~~~~~

विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय ।

कक्षा-नवम्

विषय- हिन्दी

दिनांक-09-01-2021

साँवले सपनों की याद

-जाबिर हुसैन

५ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ५

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 4:

आशय स्पष्ट कीजिए -

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।

(ख) कोई अपने जिस्म की हारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा!

(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे थे।

उत्तर :

(क) लॉरेंस का जीवन बहुत सीधा-सादा था, प्रकृति के प्रति उनके मन में जिज्ञासा थी। सालिम अली का व्यक्तित्व भी लॉरेंस की तरह ही सुलझा तथा सरल था।

(ख) यहाँ लेखक का आशय है कि मृत व्यक्ति को कोई जीवित नहीं कर सकता। हम चाहे कुछ भी कर लें पर उसमें कोई हरकत नहीं ला सकते।

(ग) टापू बंधन तथा सीमा का प्रतीक है और सागर की कोई सीमा नहीं होती है। उसी प्रकार सालिम अली भी बंधन मुक्त होकर अपनी खोज करते थे। उनके खोज की कोई सीमा नहीं थी।

प्रश्न 5:

इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा-शैली की चार विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

लेखक की भाषा-शैली की विशेषताएँ—

(1) इनकी शैली चित्रात्मक है। पाठ को पढ़ते हुए इसकी घटनाओं का चित्र उभर कर हमारे सामने आता है।

(2) लेखक ने भाषा में हिंदी के साथ-साथ कहीं-कहीं उर्दू तथा कहीं-कहीं अंग्रेज़ी के शब्दों का प्रयोग भी किया है।

(3) इनकी भाषा अत्यंत सरल तथा सहज है।

(4) अपने मनोभावों को प्रस्तुत करने के लिए लेखक ने अभिव्यक्ति शैली का

धन्यवाद

कुमारी पंकी 'कुसुम'

